SINDHI HIGH SCHOOL , BENGALURU

ANNUAL EXAMINATION – (2022-23)

Class : VIII

SUBJECT : HINDI (L2)

Max Marks: 80

Date : 16.03.2023

Reading Time : 8.00 am – 8.15 am

No of printed sides: 9

Writing Time: 8.15am-11.15 am

समान्य निर्देश :-

* इस प्रश्न पत्र में चार खंड हैं क ,ख ,ग ,घ
*खंड क -अपठित गद्यांश 10 अंक
*खंड ख व्याकरण 20 अंक
*पाठय पुस्तकें 35 अंक
*लेखन 15 अंक
*सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।
*सभी खंडों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खंड - क

I)निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उपयुक्त विकल्प द्वारा दीजिए । (5)

संघर्ष के मार्ग में अकेला ही चलना पड़ता है। कोई बाहरी शक्ति आपकी सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। दो महत्त्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय है – प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है। प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है। एक अध्यापक ने, अपने छात्रों को यह संदेश दिया था कि – तुम्हें जीवन में सफल होने के लिए समस्याओं से संघर्ष करने का अभ्यास करना होगा। हम कोई भी कार्य करें, सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने का संकल्प लेकर चलें। सफलता हमें कभी निराश नहीं करेगी। समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उससे विमुख होना अहितकर है, मानव धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है। आप जागिए, उठिए ,दृढ़-संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रूपी विजय रथ पर चढ़िए और अपने जीवन के विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए।

(क)मनुष्य को कौन संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं ?

(i) निर्भीकता, साहस, परिश्रम (ii) परिश्रम, लगन, आत्मविश्वास

(iii) साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, परिश्रम (iv) परिश्रम, दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन

(ख) प्रत्येक समस्या अपने साथ क्या लेकर आती है?

(i) संघर्ष (ii) कठिनाइयाँ

(iii) चुनौतियाँ (iv) सुखद परिणाम

(ग) समस्त ग्रंथों और अनुभवों का क्या निष्कर्ष है ?

(i) उपर्युक्त सभी (ii) अपने विकास को बाधित करना है

(iii) संघर्ष से डरना या विमुख होना अहितकर है। (iv) मानव-धर्म के प्रतिकूल है।

(घ) जीवन में सफल होने के लिए हमें क्या करना होगा ?

(i) संघर्ष करने का अभ्यास (ii) समस्याओं का समाधान

(iii) महापुरुषों की सहायता (iv) शत्रुओं पर विजय पाना

(ङ) संघर्ष रूपी विजय रथ पर चढ़ने के लिए क्या आवश्यक है ?

(i) दृढ़ संकल्प, निडरता और धैर्य (ii) दृढ़ संकल्प, उत्साह एवं साहस

(iii) दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और साहस (iv) दृढ़ संकल्प, उत्तम चरित्र एवं साहस

II)निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उपयुक्त विकल्प द्वारा दीजिए। (5)

घर जैसा छोटा सा शब्द भावनात्मक दृष्टि से बहुत विशाल होता है। घर प्यार, भरोसे और रिश्तो की मिठास से बनता है। एक आदर्श घर वही है जिसमें प्रेम व भरोसे की दीवारें, आपसी तालमेल की छतें, रिश्तों की मधुरता के खिले-खिले रंग, स्नेह, सम्मान व संवेदनाओं की सज्जा हो।घर में भावात्मकता है, जो संबंधों को महका कर परिवार को जोड़े रखती है। यह बात हमें अच्छी तरह याद रखनी चाहिए कि जब रिश्ते महकते हैं तो घर महकता है, रिश्तो का उल्लास घर का उल्लास होता है। इसलिए रिश्ते हैं तो घर है और रिश्तो के बीच बहता प्रेम घर की नींव है। ना जाने क्यों आज का मनुष्य संवेदनाओं से दूर होता जा रहा है। उसके मन की कोमलता कठोरता में बदल रही है। दिन-रात कार्य में व्यस्त रहने और धनोपार्जन की अति तीव्र लालसा से उसके अंदर मशिनियत बढ़ रही है। इसलिए उसके लिए घर के मायने बदल रहे हैं। उसकी

अहमियत बदल रही है। इसी कारण आज परिवार में आपसी कलह, द्वंद्व आदि बढ़ रहे हैं। आज की पीढ़ी प्राइवेसी (व्यक्तिकता) के नाम पर एकाकीपन में सुख खोज रही है। उसकी सोच 'मेरा कमरा, मेरी दुनिया' तक सिमट गई है। एक छत के नीचे रहते हुए भी हम एकाकी होते जा रहे हैं। काश, सब घर की अहमियत समझें और अपना अहम हटाकर घर को घर बनाए रखने का प्रयास करें।

(क) घर किन चीज़ों से बनता है ?

(i)प्यार ,भरोसा और रिश्तों की मिठास से (ii) ईंट और पत्थर से

(iii) लोगों से (iv) माता -पिता और बच्चों से

(ख) जब रिश्ते महकते हैं तो क्या होता है ?

(i) मनुष्य अपने आप से दूर हो जाता है। (ii) घर महकते हैं।

(iii) रिश्तों में दरार पड़ती है। (iv) भरोसे की दीवारें जुड़ती हैं।

(ग) आज का मनुष्य किससे दूर होता जा रहा है ?

(i) संवेदनाओं से दूर (ii) शहर से दूर

(iii) घर से दूर (iv) रिश्तेदारों से दूर

(घ) मनुष्य किस कार्य में व्यस्त रहने लगा है ?

(i) आपसी कलह में (ii) घर या फ्लैट बनाने में

(iii) धनोपार्जन में (iv) सुख खोजने में

(ङ) हमें क्या प्रयास करना चाहिए ?

(i) बहुत पैसा कमाने का प्रयास (ii) तीनो उत्तर सही

(iii) एकाकीपन खोजने का प्रयास (iv) घर को घर बनाने रखने का प्रयास

खंड - ख

III क) संधि विच्छेद कीजिए : -

i) अधोगति (1)

ख) निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए (1)

i) दुः + शासन ii) निः + फल

ग)दिए गए उपसर्ग से एक-एक शब्द बनाइए | i) हम ii) गैर (1)

घ) निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए :- (1)
i) चिरकाल ii) अंतरात्मा

IV क) दिए गए प्रत्ययों से एक-एक शब्द बनाइए | (1)
i) ईय ii) मान

ख)निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग कीजिए :- (1)
i) सौभाग्यवती

ग) निम्नलिखित शब्दों के एक-एक पर्यायवाची लिखिए | (1)
i) सरस्वती ii) वसंत

घ) दिए गए शब्दों के एक-एक अर्थ लिखिए | (1)
i) योग ii) दक्षिण

V क)अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए :- (1)
i) जो देखने योग्य हो -
ii)कम बोलने वाला –

ख) दिए गए भिन्नार्थक शब्दों का अर्थ द्वारा अंतर स्पष्ट कीजिए | (1)
i) कृति / कृती

ग)लिंग परिवर्तन कर वाक्य दोबारा लिखिए :- (1)
i) खीर देखकर चौधरी के मुँह में पानी भर आया |

घ) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए | (1)
i) मछली ii) बहू

ड) अशुद्ध वाक्य को शुद्ध कीजिए | (1)
i) हम उसके पास से आ रहा हूँ |

VI क)निम्नलिखित मुहावरे से वाक्य बनाओ (1)

i) बाएँ हाथ का खेल

ख)दिए गए मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

i)भीगी बिल्ली बनना

ग) रेखांकित शब्दों को पहचानकर विशेषण के भेद लिखिए। (1)

i) आपकी पुत्री बहुत <u>बुद्धिमान</u> है।

ii) हमारे घर में <u>चार</u> पंखे हैं।

घ)' निर्णय - न्याय ' शब्दों का वाक्य द्वारा अंतर स्पष्ट कीजिए। (2)

ड) नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :- (2)

i) राजा ii) स्तुति iii) निरक्षर iv) प्रकट

खंड -ग

VII निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए :- **(5)**

ऐसे बेहाल बिवाइन सों ,पग कंटक जाल लगे पुनि जोए।
हाय ! महादुख पायो सखा ,तुम आए इतै न कितै किन खोए।।
देखि सुदामा की दीन दसा ,करुना करिकै करुनानिधि रोए।
पानी परात को हाथ छुयो नहिं ,नैनन के जल सौं पग धोए।।

(क) इस कविता के रचयिता कौन है ?

(i) सूरदास (ii) नवरोत्तम दास

(iii) कबीर दास (iv) मतीन दास

(ख) सुदामा की दीन -हीन दशा देखकर कृष्ण की क्या प्रतिक्रिया थी ?

(i)कृष्ण रो पड़े (ii) उसकी परेशानी का कारण पूछा

(iii) उसे आपार धन दौलत दे दी (iv) उससे मिलने से इंकार कर दिया

(ग) कृष्ण ने सुदामा से क्या कहा ?
(i)हे मित्र! मुझे अपने पास बुला लेते। (ii) हे मित्र ! अपनी परेशानी पहले बताते।
(iii) हे मित्र ! तुम पहले यहाँ क्यों नहीं आए। (iv) हे मित्र! मैं कुछ नहीं कर सकता।

(घ) कृष्ण ने सुदामा के चरण कैसे धोए ?
(i)परात में पानी माँगकर (ii) गंगाजल से
(iii) अपने आँसुओं से (iv) विशेष कुएँ के जल से

(ड) सुदामा के पैरों में क्या चुभे हुए थे ?
(i)कंकड़ चुभे हुए थे। (ii) काँच चुभे हुए थे।
(iii) कील चुभे हुए थे । (iv) काँटे चुभे हुए थे।

VIII निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए। **(5)**

सरिता के वे दिवस बड़े मज़े के थे। हम कभी भूमि को काटते ,कभी पेड़ों को खोखला कर उन्हें गिरा देते। बहते-बहते मैं एक दिन एक नगर के पास पहुँची। मैंने देखा नदी के तट पर एक ऊँची मीनार में से कुछ काली-काली हवा निकल रही थी। मैं उत्सुक हो उसे देखने को क्या बढ़ी कि अपने हाथों दुर्भाग्य को न्यौता दिया। ज्योंहि मैं उसके पास पहुँची अपने और साथियों के साथ एक मोटे नल में खींच ली गई। कई दिनों तक मैं नल -नल घूमती फिरी। मैं प्रति क्षण उसमें से निकल भागने की चेष्टा में लगी रहती थी। भाग्य मेरे साथ था। बस एक दिन रात के समय मैं ऐसे स्थान पर पहुँची जहाँ नल टूटा हुआ था। मैं तुरंत उसमें होकर निकल भागी और पृथ्वी में समा गई।अंदर ही अंदर घूमते -घूमते इस बेर के पास पहुँची।

(क) सरिता से बूँद कहाँ पहुँची ?
(i)पहाड़ों पर (ii) एक नगर के पास (iii) सागर में (iv) नल में

(ख)नदी के तट पर क्या थी ?
(i)बहुमंज़िल इमारत (ii) नल (iii) ऊँची मीनार (iv) बड़ी सड़क

(ग) बूँद कई दिनों तक कहाँ घूमती रही ?
(i)नल -नल (ii) समुद्र में (iii) नदी में (iv) पृथ्वी में

(घ)बूँद नल से बाहर कैसे आई ?

(i)अपने भाइयों के धक्कों द्वारा (ii) बेर के पेड़ से

(iii) नल के टूटे भाग से (iv) धरती से निकलकर

(ड)नल से निकलकर बूँद कहाँ पहुँची ?

(i)पृथ्वी में समा गई (ii) बेर के पेड़ में घुस गई

(iii) दुबारा नल में चली गई (iv) सरिता की ओर बढ़ गई

IX निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों का सही उत्तर लिखिए (5)

इस ज़िले में साइकिल की धूम मची हुई है । इसकी प्रशंसकों में हैं महिला खेतिहर मज़दूर पत्थर खदानों में मज़दूरी करनेवाली औरतें और गाँवों में काम करने वाली नर्सें । बालवाड़ी और आँगनवाड़ी कार्यकर्ता ,बेशकीमती पत्थरों को तराशने में लगी औरतें और स्कूल की अध्यापिकाएँ भी साइकिल का जमकर इस्तेमाल कर रही हैं। ग्राम सेविकाएँ और दोपहर का भोजन पहुँचनेवाली औरतें भी पीछे नहीं हैं।सबसे बड़ी संख्या उन लोगों की है जो अभी नवसाक्षर हुई हैं। जिस किसी नवसाक्षर अथवा नयी -नयी साइकिल चलाने वाली महिला से मैंने बातचीत की ,उसने साइकिल चलाने और अपनी व्यक्तिगत आज़ादी के बीच एक सीधा संबंध बताया। 1992 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बाद अब यह ज़िला कभी भी पहले जैसा नहीं हो सकता | हैंडल पर झंडियाँ लगाए ,घंटियाँ बजाते हुए साइकिल पर सवार 1500 महिलाओं ने पुडुकोट्टई में तूफान ला दिया |

(क) पूरे ज़िले में किसकी धूम मची हुई थी ?

(i)पुरुषो से आगे निकलने की धूम (ii)साइकिल बिकने की धूम

(iii)महिलाओं द्वारा साइकिल चलाने की धूम (iv) महिला दिवस

(ख)साइकिल चलाने में कौन -कौन सी महिलाएँ आगे आई ?

(i)केवल ग्रामीण महिलाएँ (ii)केवल स्कूल की अध्यापिकाएँ

(iii) केवल पत्थरों को तराशने वाली महिलाएँ (iv)सभी क्षेत्रों की महिलाएँ

(ग) नवसाक्षर शब्द से क्या तात्पर्य है ?

(i)नया सीखने वाला (ii)सीखकर होड़ लगाने वाला

(iii) कुछ विशेष सीखने वाला (iv)प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाला

(घ) साइकिल चलाना किस बात का प्रतीक बन गया ?
(i)पुरुषों की गुलामी का प्रतीक (ii) व्यक्तित्त्व प्रमुख का प्रतीक
(iii) स्त्रियों की व्यक्तिगत आज़ादी का प्रतीक (iv) मान - मर्यादा का प्रतीक

(ड)'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 'पहली बार कब मनाया गया था?

(i)1982 (ii) 1993 (iii) 1992 (iv) 1500

X पठित पाठों के आधार पर (किन्हीं चार)प्रश्नों के उत्तर लिखिए | (2x4=8)

1)"लोगों ने सलाह दी कि "समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफ़र नहीं करते |" लोगों ने ऐसी सलाह क्यों दी ?
2) साँप उड़ने की इच्छा को मूर्खतापूर्ण मानता था | फिर उसने उड़ने की कोशिश क्यों की ?
3) कामचोर कहानी में 'मोटे -मोटे किस काम के हैं '? किन के बारे में और क्यों कहा गया ?
4)बदलू के मन में ऐसी कौन सी व्यथा थी जो लेखक से छिपी न रह सकी ?
5) अंग्रेज़ के सामने बिलवासी जी ने झाऊलाल को पहचाने तक से क्यों इंकार कर दिया था ? आपके विचार से बिलवासी जी ऐसा अजीब व्यवहार क्यों कर रहे थे ? स्पष्ट कीजिए|
6) गवरइया की टोपी पर दरजी ने पाँच फुँदने क्यों जड़ दिए ?

XI निम्नलिखित प्रश्नों में से (किन्हीं दो) के उत्तर लिखिए | (3x2=6)

1) श्री कृष्ण अपनी चोटी के विषय में क्या -क्या सोच रहे थे ?
2) कबीर घास की निंदा करने से क्यों मना करते हैं | पढ़े हुए दोहे के आधार पर स्पष्ट कीजिए |
3) फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि कौन -कौन सा प्रयास करता है ?

XII पूरक पाठय पुस्तक (भारत की खोज)के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए|

1)"गांधी जी की कथनी और करनी में मेल था " कैसे ? **(2x3=6)**
2) अंग्रेजी शासनकाल के दौरान भारत ने किस-किस क्षेत्र में विकास किया ?

3) टैगोर का शांति निकेतन क्या था ?

खंड -घ

XIII अपने क्षेत्र में बढ़ते अपराधों की सूचना देते हुए टाइम्स ऑफ़ इंडिया के संपादक को पत्र लिखिए। **(5)**

अथवा

अनुचित पार्किंग के कारण होने वाली असुविधा के लिए पुलिस कमिशनर को पत्र लिखिए

XIV दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर (80-100) शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (5)

(क)आत्मनिर्भरता

आत्मनिर्भरता का अर्थ
आत्मनिर्भरता का लाभ
इसमें ही जीवन का आनंद हैं
उपसंहार

(ख)मधुर वचन है औषधि ,कटु वचन है तीर

वाणी एक अनमोल वरदान
मधुर वाणी से हृदय पर विजय
कटु वचनो से हानि
कोई सूक्ति

(ग)न्यूज़ चैनल

समाचारों के सशक्त साधन
न्यूज़ चैनलों की भरमार
दर्शकों पर प्रभाव
चैनलों का उत्तरदयित्व

XV आने वाली गर्मी की छुट्टियों को लेकर दो दोस्तों की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए। **(5)**

अथवा

बार-बार बिजली कटौती से उत्पन्न स्थिति से परेशान दो छात्रों की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए|

SINDHI HIGH SCHOOL , BENGALURU

ANNUAL EXAMINATION – (2022-23)

Class : VIII | SUBJECT : HINDI (L2) | Max Marks:80

Date : 16 .03.2023 | Reading Time : 8.00 am – 8.15 am

No of printed sides: 4 | Writing Time: 8.15am-11.15 am

खंड (क)

I (क) परिश्रम ,दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन (ख) संघर्ष (5)
(ग) संघर्ष से डरना या विमुख होना अहितकार है
(घ) समस्याओं से संघर्ष करने का अभ्यास
(ङ)दृढ़ संकल्प उत्सव,उत्साह एवं साहस

II (क)प्यार ,भरोसा और रिश्तों की मिठास से (5)
(ख) घर महकते हैं (ग) संवेदनाओं से दूर
(घ) कार्य और धनोर्पाजन में
(ङ)घर को घर बनाए रकने का प्रयास

खंड (ख)

III (क) अधः +गति (1)

(ख) i) दुश्शासन ii) निष्फल (1)

(ग) i) हमसफ़र , हमउम्र , हमराही (ii) गैरहाज़िर , गैरखानूनी , ग़ैरसरकारी (1)

(घ) i) चिर्+ काल ii) अंतर + आत्मा (1)

IV (क) i) भारतीय ,जातीय ,शासकीय (ii) शक्तिमान ,गतिमान ,बुद्धिमान (1)

(ख) i) सौभाग्यवती (1)

(ग) i) वीणापाणि ,भर्ती ,शारदा ,स्वेतांबर (ii) कुसुमाकर , मधुमास ,ऋतुराज (1)

(घ) i) जोड़ ,युक्ति , उपाय ii) दिशा , दाईं , अनुकूल (1)

V (क) i) दर्शनीय (ii) मितभाषी (1)

(ख) रचना / परिश्रम (1)

(ग) खीर देखकर चौधराइन के मुँह में पानी भर आया । (1)

(घ) i) मछलियाँ (ii) बहुएँ (1)

(ङ) हम उसके पास से आ रहे हैं | (1)

VI (क i) भयभीत होजकार रहना (1)

(ख) i) गुणवसचक विशेषण ii) निश्चित संख्या वाचक (1)

(ग) बच्चे स्वयं लिखेंगे (2)

(घ) i) रंक (ii) निंदा (iii) साक्षर (iv) गुप्त (2)

VII (क)नवरोत्तम दास (ख) कृष्ण रो पड़े (5)

(ग) हे मित्र ! तुम पहले यहाँ क्यों नहीं आए (घ) अपने आँसुओं से

(ङ)काँटे चुभे हुए थे

VIII (क)एक नगर के पास (ख) ऊँची मीनार (ग) नल -नल (5)

(घ)नल के टूटे भाग से (ङ) पृथ्वी में समा गई

IX (क) महिलाओं द्वारा साइकिल चलाने की धूम (ख) सभी क्षेत्रों की महिलाएँ (5)

(ग)नया सीखने वाला (घ)आज़ादी का प्रतीक (ङ) 1992

X (किन्हीं चार) (2x4=8)

1) लोगों ने लेखक को यह सलाह इसलिए दी क्योंकि वे जानते थे की बस की हालत बहुत खराब है। बस का कोई भरोसा नहीं है कि यह कब और कहाँ रूक जाए, शाम बीतते ही रात हो जाती है और रात रास्ते में कहाँ बितानी पड़ जाए, कुछ पता नहीं रहता। उनके अनुसार यह बस डाकिन की तरह है।

2) साँप उड़ने की इच्छा को मूर्खतापूर्ण मानता था क्योंकि वह मानता था कि वह उड़ने में सक्षम नहीं है। पर जब उसने बाज के मन में आकाश में उड़ने के लिए तड़प देखी तब साँप के मन में भी उत्सुकता जागी कि आकाश का मुक्त जीवन कैसा होता है ? इस रहस्य का पता लगाना ही चाहिए। तब उसने भी आकाश में एक बार उड़ने की कोशिश करने का निश्चय किया|

3) कहानी में 'मोटे-मोटे किस काम के हैं' बच्चों के बारे में कहा गया है क्योंकि वे घर के कामकाज में जरा सी भी मदद नहीं करते थे तथा दिन भर उधम मचाते रहते थे। इस तरह से ये कामचोर हो गए थे।

4) बदलू लाख की चूड़ियाँ बेचा करता था परन्तु जैसे-जैसे काँच की चूडियों का प्रचलन बढ़ता गया उसका व्यवसाय ठप पड़ने लगा। अपने व्यवसाय की यह दुर्दशा बदलू को मन ही मन कचौटती थी। बदलू के मन में इस बात कि व्यथा थी कि मशीनी युग के

प्रभावस्वरुप उस जैसे अनेक कारीगरों को बेरोजगारी और उपेक्षा का शिकार होना पड़ा है। अब लोग कारीगरी की कद्र न करके दिखावटी चमक पर अधिक ध्यान देते हैं। यह व्यथा लेखक से छिपी न रह सकी।

5) अंग्रेज़ के सामने बिलवासीजी ने झाऊलाल को पहचानने से इनकार कर दिया क्योंकि अंग्रेज़ का क्रोध शांत हो जाए और अंग्रेज़ को ज़रा भी संदेह न हो कि वह लाला झाऊलाल का आदमी है। तथा वह अपनी योजना पूरी करना चाहते थे जिससे पैसे की व्यवस्था हो सकें।

6) गवरइया की टोपी पर दर्जी ने पाँच फुँदने लगाए क्योंकि दर्जी को वाजिब मजदूरी मिली थी, जिससे वह खुश था। दर्जी राजा औए उसके सेवकों के कपड़े सिलता था जो उसे बेगार करवाते थे। लेकिन गवरइया ने अपनी टोपी सिलवाने के बदले में दर्जी को मजदूरी स्वरूप आधा कपड़ा दिया।

XI (किन्हीं दो) (3x2=6)

(1)श्रीकृष्ण बलराम भैया की तरह लम्बी, मोटी चोटी चाहते हैं। उनके अनुसार नहाते व क्त जैसे बलराम भैया की चोटी नागिन जैसी लहराती है वह भी उसी प्रकार की चोटी चा हते हैं और इसी विषय में सोचा करते हैं।

2) घास का अर्थ है पैरों में रहने वाली तुच्छ वस्तु। कबीर अपने दोहे में उस घास तक की निंदा करने से मना करते हैं जो हमारे पैरों के तले होती है। कबीर के दोहे में 'घास' का विशेष अर्थ है। यहाँ घास दबे-कुचले व्यक्तियों की प्रतीक है। कबीर के दोहे का संदेश यही है कि व्यक्ति या प्राणी चाहे वह जितना भी छोटा हो उसे तुच्छ समझकर उसकी निंदा नहीं करनी चाहिए। हमें सबका सम्मान करना चाहिए।

3) फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि उन्हें कलियों की स्थिति से निकालकर खिले फूल बनाना चाहता है। कवि का मानना है कि उसके जीवन में वसंत आया हुआ है। इसलिए वह कलियों को हाथों के वासंती स्पर्श से खिला देगा। वह फूलों की आँखों से आलस्य हटाकर उन्हें चुस्त व जागरूक करना चाहता है।

XII 1) गांधीजी की कथनी और करनी में मेल था अर्थात जो वह कहते थे वही(2x3=6)
करके भी दिखते थे | ऐसा इस लिए सत्य है क्योंकि अपने विचारों की शुरुआत वे स्वयं अपने से करते थे |

2)अंग्रेजी शासन काल में ही भारत ने तकनीक ,रेलगाड़ी ,छापाखाना ,दूसरी मशीनें वह युद्ध के अधिक कारगर तरीकों का विकास किया |

3)शांति निकेतन विशेष प्रकार का शिक्षा केंद्र था जिनमें विद्यार्थियों को शिक्षा पूर्ण सुविधाओं व प्राकृतिक संसाधनों द्वारा दी जाती थी |

XIII पत्र लेखन: आरंभ और अंत (1)
विषय वस्तु (3)
भाषा (1)

XIV बच्चे स्वयं लिखेंगे । भूमिका (2)
विषय वस्तु (3)

XV संवाद में प्रवाह, क्रम , सरल भाषा (2)

विषय के अनुसार लिखा होना चाहिए। (3)

****